SALTOC Project

Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī (Saṅgama)

OCLC: 3195624

Volume 27, number 4 (Apr 1988)

TOC Supplied by: University of California, Berkeley

I-D-H-284

स्व. प्रकाश जैन

मधुमती

राजस्थान साहित्य अकादमी की मासिक पत्रिका

अप्रैल '88

Apr 88

प्रकाश जैन : विशेष सामग्री

अप्रैल '88

वर्ष-27, अंक-4

क्रम

निबंध

तमस में इतिहास की रचना/9/जीवनसिंह/राष्ट्रीय संकट और लेखकीय दायित्व/18/राजेन्द्र बोहरा/भारतेन्दु और हाली की कविता; नवजागरण का परिप्रेक्ष्य/27/जानकी प्रसाद शर्मा/ सामाजिक यथार्थ की सजीव विरासत : नागार्जुन/32/ जगन्नाथ पण्डित।

कहानी

मदारी/39 कृष्ण सुकुमार/आतंक/44/सुरेन्द्र मंथन/मम्मी खाना दो/56/गुरुदीप सोहल।

कविताएं

चेहरा/59/पद्मा सचदेव/इनकी दुनिया : उनकी दुनिया/60/ बलदेव वंशी/सोनचिडकली/61/जयसिंह 'नीरज'/क्यों आते हैं लोग/63/अम्बिकादत्त/मच्छी-मच्छी कितना पानी/64/ दिनेश सिंदल

किताबें

आलोक और छाया/परेश/66/देवीप्रसाद गुप्त/घर के भीतर सवाईसिंह शेखावत/68 विजय कुलश्रेष्ठ/अम्मा का खत अश्वघोष/70/अनिलकुमार गंगल/द्रोणाचार्य/ययाति/भीष्म पितामह/साहित्यागार जयपुर/73

स्तंभ

प्रसंगवश/XVIII//प्रकाश आतुर
पत्रपत्रिक्रिया/77
आवरण : हिमांशु जैन

स्वर्गीय प्रकाश जैन

प्रसिद्ध हिन्दी कवि और 'लहर के यशस्वी सम्पादक श्री प्रकाश जैन नहीं रहे। इस अंक के मुद्रण के दौरान उनके निधन का दुखद समाचार मिला। उनकी सृजन-यात्रा एक ऐसे संघर्षशील व्यक्ति की यात्रा रही जो अतृप्ति की तिक्तता से स्पंदित रहा और बार बार टूटने के कगार पर पहुचने के बावजूद अपनी साहसिकता से तनिक भी स्खलित नहीं हुआ। लहर' के माध्यम से उन्होंने हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता को नये आयाम दिये अनेक रचनाकारों को स्थापित किया और अन्तिम क्षण तक उसको पुनर्जीवित करने के लिये सघर्ष करते रहे। वे राजस्थान साहित्य अकादमी की सरस्वती सभा के सदस्य रहे और अकादमी ने उन्हें सम्मानित भी किया।

इस अंक में उनकी कतिपय चयनित रचनायें और उनके व्यक्तित्व-कृतित्व पर उन्हें नजदीक से जानने वाले दो रचनाकार मित्रों–नन्द चतुर्वेदी और शलभ के स्मृति आलेख श्रद्धांजलि रूप में प्रस्तुत किये जा रहे हैं। भाई प्रकाश जैन को अकादमी परिवार की हार्दिक शोकांजलि – सं.